Jain Ahimsa Times

May, 2023

अहिंसा फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष, श्री प्रकाश लाल जैन अपनी सांसारिक यात्रा जोधपुर में पूर्ण की

जन्म चेतना की प्रत्यक्ष अवस्था है, तो मृत्यु इस प्रकृति का अवसान है। जन्म और मृत्यु आत्मा की यात्रा के पड़ाव हैं। ईश्वरी व्यवस्था को स्वीकारते हुए श्री प्रकाश लाल सा जैन, सुपुत्र स्वर्गीय श्री सुखलाल सा बोहरा, रात्रि, 29 अप्रैल 2023 अपनी आत्मा की प्रस्तावित यात्रा की ओर अग्रसर हुए। आपने, समस्त जीवन व्यवहार कुशलता एवं अत्याधिक सादगी के साथ जिया एवं सभी व्यवसायिक, परिवारिक, सांसारिक कार्यों को समय अनुसार प्रभुता के साथ संपन्न किया।

आपका जन्म, 24 दिसम्बर 1934 को माता प्रभावती देवी एवं पिता सुखलाल सा बोहरा के घर, जैन, श्वेतांबर, स्थानकवासी कुल में, पैतृक गांव जालौर (राजस्थान) में हुआ।क्योंकि पिता श्री स्वयं भी अंग्रेजी एवं उर्दू में विद्वता रखते थे, इसलिए शिक्षा के महत्व को समझते थे। पिता की प्रेरणा से ही आपने पिलानी- बी. आई. टी. से 1953 में B.TECH इंजीनियरिंग की परीक्षा एवं बाद में खड़कपुर आई. आई. टी. से M.TECH परीक्षा उत्तीर्ण की। तत्पश्चात ग्वालियर एवं इलाहाबाद के इंजीनियरिंग कॉलेजों में अध्यापन किया। 1971 में आपने रांची स्थित, यूनेस्को एवं भारत सरकार द्वारा लोह एवं अलोह उद्योग के लिए नई तकनीक विकसित करने के उद्देश्य से स्थापित "निफ्ट" अनुसंधान संस्थान का सेवा भार ग्रहण किया।

1971 में आपको भारत सरकार द्वारा लोह उद्योग में नई तकनीक विकसित करने के लिए जापान एवं बाद में अमेरिका भेज दिया गया। वहां से लौटने के उपरांत आपके अनेक धातु विज्ञान से संबंधित शोध पत्र जारी हुए।आपने अपने तजुर्बे एवं शोध पत्रों को संकलित करते हुए 1978 में "Principles of Foundry Technology" पुस्तक का संकलन किया, जिसको टाटा - मैग्रावल हिल द्वारा प्रकाशित किया गया। इस पुस्तक के समय-समय पर अनेक संस्करण।

निकले और आज भी यह पुस्तक देश और विदेश में विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं उद्योग जगत को विनिर्माण प्रौद्योगिकी जानकारी उपलब्ध करा रही है। आपने अपने शोध कार्य से टाटा इंडस्ट्री जमशेदपुर, भारत फोर्ज पुणे, ज्योति इंडस्ट्री बड़ौदा, ओसवाल कास्टिंग्स कलोल, बिरला स्टील, पतरातू एवं अनेक बड़े उद्योगों को उत्पादन की नई तकनीक से अवगत कराया।

सरकार से सेवा निवृत्त होने के उपरांत आप, अपनी मातृभूमि जोधपुर राजस्थान लौट के आ गए और सक्रियता के साथ महावीर इंटरनेशनल समाज सेवा संस्था के कार्यक्रमों में अपने को समर्पित कर दिया। इसी के साथ, आपने समस्त विश्व में इंटरनेट के माध्यम से जैन समाज एवं जैन धर्म के प्रचार प्रसार के लिए "अहिंसा फाउंडेशन" संस्था स्थापित की, जिसके अंतर्गत " www.jainsamaj.org " वेब पोर्टल का निर्माण हुआ। आज के दिन लाखों पृष्ठों की विस्तृत जानकारी, इस पोर्टल पर उपलब्ध है। समस्त जैन समाज की जानकारी को प्रेषित करने वाला यह एक अकेला माध्यम है। आपने अहिंसा फाउंडेशन के माध्यम से समाज हित में अनेक आर्थिक सहायता प्रस्तावों को संवेदनशीलता के साथ प्रबंधित किया। आपने सन 2001 में गुड़गांव स्थित विशाल दिगंबर जैन आदिनाथ भगवान की प्रतिमा का शिलान्यास किया।

आपका विवाह जोधपुर के यशस्वी एवं विख्यात डॉ. पदम चंद वैद्य (गांधी) की सुपुत्री गुलाब देवी जी के साथ 1953 में हुआ। आप के सुपुत्र श्री अनिल जैन एक सफल चार्टर्ड अकाउंटेंट होने के साथ में, अनेक धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं को दिल्ली और जोधपुर में सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। समय-समय पर सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक एवं प्रशासनिक विषयों पर आपकी टिप्पणियों, लेख एवं टेलीविजन कार्यक्रमों में आपकी विशाल और प्रगतिशील सोच की झलक मिलती है। अनिल जी का विवाह स्वाति जी के साथ हुआ जो कि मुंबई के विख्यात जाने-माने ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. बी. सी. भंडारी की सुपुत्री हैं। आपकी पुत्री रीता धर्मपत्नी डॉ. रतनलाल जी कोठारी, अनीता धर्मपत्नी श्री सत्येश भंडारी एवं शैलबाला धर्मपत्नी डॉ. रुपेश पोखरना सभी ने उच्च शिक्षा हासिल की और विवाह के उपरांत अपने-अपने शिक्षित एवं समृद्ध परिवारों में पुणे, मुंबई एवं जयपुर में निवास करती हैं।

आपके अनुज भ्राता श्री जयंतीलाल जैन, डॉ नरेंद्र जैन, श्री राजेंद्र जैन एवं बहन श्रीमती पुष्पलता गांधी सभी ने शिक्षा को आदर्श मानते हुए उच्च शिक्षा हासिल की और जीवन में रिद्धि सिद्धि की पूर्णता के साथ अपने परिवार को अधिष्ठित किया।

परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि बैकुंठ यात्रा पर निकली श्री प्रकाश लाल सा जैन की दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देवें।

...ॐ...शान्ति...ॐ...

स्थानकवासी जैन श्रमण संघ उपाध्याय श्री रमेश मुनि जी महाराज साहब
एवं दीपेश मुनि जी महाराज साहब

श्रीमान अनीलजी जैन C.A.

आपके पूज्य पिताजी का स्वर्गवास हो गया है, यह जानकर हमे हार्दिक खेद हुआ है, श्री प्रकाश लाल सा० एक धार्मिक विचारो के प्रभावी व्यक्ति थे, उनका धर्म के प्रति एवम साधु संतो के प्रति गहरी निष्ठा थी तथा हमारी अपनी सम्प्रदाय के प्रति प्रारंभ से ही आपके पूज्य दादाजी के संस्कार भी परम्परा-गत थे और सम्पूर्ण परिवार मे धर्म श्रद्धा भी देखने जैसी थी, उनके निधन से एक सच्चे-अच्छे व्यक्ति की कमी खलती है स्वर्गीय आत्मा के प्रति शुभ-गति की कामना,

उपाध्याय रमेश मुनि शास्त्री
सेवाभावी दीपेश मुनि
पुष्कर (राज.)
दिनांक - 30.4.2023

श्रमण संघीय प्रवर्तक
डॉ. राजेन्द्र मुनि

श्रद्धांजलि पत्र

दिनांक- २-मई-२३
स्थान- अशोक विहार

आदरणीय अनिल सा व श्री. स्वातिजी परिवार
धर्म स्मरण

यह जानकर हमारे हृदय में गहरी संवेदना हुई कि आप श्री के पूज्य पिता श्री सुश्रावक सुप्रसिद्ध विचारक अहिंसा फाउंडेशन के संस्थापक आदरणीय प्रकाशचन्दजी सा जैन का देवलोक गमन हो गया है। आप श्री के दादा सा सुखचन्द सा बोहरा के सुसंस्कारों से उनका जीवन निर्मित हुआ, पढ़े लिखे व सद्संस्कारों के वे धनी थे पिता श्री का जीवन सादा व विचार ऊंचे रहे। वे ही सुसंस्कार आपके जीवन में भी पल्लवित पुष्पित है सभी सन्त साध्वी जनों के प्रति उनके हृदय में सदा भावना सेवा रही गुरु पुष्कर देवेन्द्र के प्रति गुरु भावना हमेशा रही, हमारे से भी उनका धार्मिक सम्बन्ध निकटता से रहा माता जी व समस्त परिवार को स्मरण करावें। हमारी ओर से हार्दिक भावांजलि श्रद्धांजलि स्वीकारें। उनकी आत्मा को सिद्धगति प्राप्त हो एवं आप परिवार को कष्ट सहने की शक्ति प्राप्त हो इसी आशा के साथ

प्रवर्तक डा. राजेन्द्र मुनि
साहित्यकार डा. सुरेन्द्र मुनि
आदि गुरु पुष्कर के समस्त
सन्त सति वृन्द

विशेष
नवकारसी ट्रस्ट द्वारा सभी सदस्यों ने हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की है।

SH. P. L. JAIN FOUNDER CHAIRMAN AHIMSA FOUNDATION LEAVES FOR HEAVENLY ABODE

My elder brother Prof. P. L. Jain breathed his last on 29 April 23 after a protracted illness. This post is not only a homage to his illustrious journey of life but also a reminder to ourselves that we donot have unlimited time on this planet and what we foresee happens in a flicker of moment. He was most qualified person in our family, a graduate of BITS Pilani MTech from IIT Kharagpur and master of metallurgical science. He served as Prof and Head MLN Engg. college, Allahabad for many years before shifting to Institute of foundry and forge Technology Ranchi.His last assignment was in Ahmedabad as consultant to an Industrial house.

He was a great teacher and well-known academicians still simple sincere and most humble human being. His books on Mechanical engineering and metallurgical science are core textbooks and reference books in many engineering colleges of India and abroad. We lost him because nature's ingenuity and conformity never spares any body.

His spiritual orientation led him to setup Ahimsa Foundation a platform for religious social cultural educational and matrimonial disciplines. Acharitable outfit with world-wide ramifications and beneficiaries and which is bring diversified by his son Anil Jain. His dedication devotion and contributions in the field of education religion and social well-being will have a lasting Impact on generations to come This is fraction of my feelings of homage to great soul who departed this world for ever.

Dr. N. K. Jain, City Hospital, Jodhpur

स्मृति में

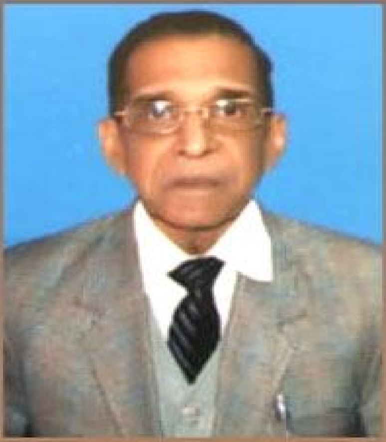

श्री प्रकाश लाल जी जैन
24/12/1934   -   29 /04/2023

पंचतत्व में विलीन हुई एक पुण्यात्मा की काया .
छूटे कर्म , टूटे बंधन शेष रही बस स्मृतियाँ

चले दूर तक पर अब वह साथ छोड़ गए .
कर इस संसार को विदा मानो प्रकाश पुंज बन नभ में कहीं खो गए .

ज्ञानार्जन अर्जित किया उस परिवेश में जहां सब कुछ बहुत कठिन था .
प्रतिभाएं कभी छुपती नहीं और एक प्रखर प्रौद्योगिकवद प्रकट हुआ .

लेखन , चिंतन और अध्यापन रोम रोम में बसते थे .
परहित जन-जन शिक्षित हो हर क्षण लीन उसी में रहते थे.

पांच दशकों से स्व रचित पुस्तक मालाएं आज भी तकनीकी शिक्षा का स्रोत है .
समय संचालन और गुणवत्ता का शोध , उत्कृष्टता का प्रतिबिम्ब हे.

हो समन्वय जैन धर्म में ऐसा दशकों से यत्न रहा .
धर्म और संस्कृति तकनीकी से जुड़ें जीवन पर्यंत यही ध्येय रहा .

दीर्घ भ्राता श्री प्रकाश लाल सा जैन को कोटि-कोटि वंदना
आपके आदर्श नव पीढ़ी में फेलें ऐसी प्रभु से प्रार्थना.

राजेंद्र जैन

स्मृति-श्री प्रकाश लालजी जैन

दि. 29.04.2023 हमारे लिये सबसे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण, दर्दनाक, दुःखद दिन था जब भगवान ने हमारे अत्यधिक प्रिय श्रद्धेय प्रकाश भाई साहब को हमसे छीन लिया। यह जानते हुऐ शरीर नश्वर है व मृत्यु अटल है पर जो हमारा बहुत अजीज है जिससे आत्मीयता और अपनेपन से जुड़े हैं, उसके जाने का असहनीय दुख होता है जिसकी क्षति-पूर्ति नहीं हो सकती।

आपका प्रतिभाशाली, गरिमामय, प्रभावशाली व्यक्तित्व सरलता, सहजता, सौम्यता, शालीनता, कर्तव्य निष्ठा, दया, करुणा, सच्चाई, ईमानदारी, स्पष्ट वादिता इत्यादि गुणों से सुशोभित था।

जब उच्च तकनीकी शिक्षा में डिग्री प्राप्त करने वालों की संख्या अत्यन्त कम थी उस समय आपने सर्वाधिक योग्यता से **BITS** पिलानी से (**B-Tech**), खड़गपुर (**IIT**) से (**M.Tech**) और **Master-of-Metallurgical Science** डिग्री प्राप्त कर अनेक उच्च शैक्षणिक संस्थाओं व अनेक महाविद्यालयों में सेवाएं प्रदान कर उपलब्धियां अर्जित की। आप सर्वश्रेष्ठ शिक्षक होने के साथ-साथ आपने अपने विषय से जुड़ी अनेक पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ पुस्तको का लेखन किया जो अत्यन्त उपयोगी साबित हुई। शिक्षण मे अत्यधिक रुचि होने से आप हमे पुस्तकों से अधिकाधिक ज्ञान प्राप्त करने की सलाह देते। अनेक पहलुओ पर हमारी चर्चा, विचार-विमर्श, वार्ता होती थी। आप द्वारा सदैव ज्ञान वर्द्धक व महत्वपूर्ण जानकारी मिलती थी। आपके हर वाक्य में विद्वता छलकती थी।

धर्म के क्षेत्र में मंदिर जाना पूजा-पाठ करना जैन साधुजी, साध्वीजी के दर्शन, प्रवचन में रुचि, आस्था, अपार भक्ति व अटूट श्रद्धा थी। अनेक सामाजिक संस्थाओं के विकास में निरन्तर अपना सहयोग और योगदान देते।

परिवार में हम सब के अत्यन्त प्रिय रहे। समय-समय पर आपसे मिलने वाली सलाह, सुझाव एवं विचारों ने हमारा सदैव मार्ग दर्शन किया।

आपने पूर्ण समर्पित भाव से पूज्य माता-पिता की सेवाकर उनके हृदय में विशिष्ठ छवि बनाई।

"परिवार जिनका मंदिर था, स्नेह जिसकी शक्ति थी
परिश्रम जिसका कर्तव्य पथ था, परमार्थ जिसकी भक्ति थी।"

आप हमारे परिवार के **Role Model** है। हर जगह सुगन्ध फैलाकर भले ही आप इस दुनियां को अलविदा कह गये लेकिन आपके उच्च आदर्श, महत्व पूर्ण विचार व जीवन मूल्य हमारे लिये प्रेरणा स्त्रोत है सदैव हमारा मार्ग-दर्शन करेगें। आपके सानिध्य मे बिताया गया समय मधुर-स्मृतियां बन सदैव हमारे जेहन मे रहेगा।

ऐसे महान वंदनीय, अभूतपूर्व व्यक्तित्व को शत-शत नमन करते हुए श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं। ईश्वर से प्रार्थना है महान पुनीत दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

"ओम-शांति"

पुष्पलता गांधी

Ms. Garima Jain on Twitter

Liked by **druid_jv** and **6 others**

garimapokharna Dear Nana,

Today, I feel so many years have suddenly passed me by. Still, time has left me richer for the countless, valuable moments which always bring joy. You were the most affectionate nana. From buying me my choice of bag for my first day at school to holding discussions about why I like poetry. The times we played chess, cards and other board games. Our visits to temples and gaushalas. Even going to restaurants and movies together. I can still feel your gentleness and your loving concern. I was always in awe of your love for academics. Thanks to you, Jodhpur was always a haven of peace for us. Today, I am filled with gratitude towards you for all the love you have showered us with, for being the best Nana. Love you always

Hari om tat sat

जय श्री राम | वन्दे मातरम्

इन्द्रप्रस्थ
विश्व हिन्दू परिषद (पंजी.) दिल्ली प्रांत
INDRAPRASTHA
VISHWA HINDU PARISHAD (Regd.) DELHI PRANT
द्वितीय तल, झण्डेवाला देवी मंदिर, नई दिल्ली–110055
दूरभाष – 011 41749005 Email : vhpindraprastha@gmail.com vhpindraprastha

क्रमांक : विहिप /0439/23 दिनांक : 01.05.2023

सेवा में

श्रीमान अनिल जैन जी
अहिंसा फाउण्डेशन

आपके **पूज्य पिताजी स्व. श्री प्रकाश लाल सा जैन जी** के देहावसान का समाचार पाकर मन को बहुत बड़ा आघात लगा। इस दुःखद् घड़ी में विश्व हिन्दू परिषद, दिल्ली के सभी कार्यकर्ता आपके साथ हैं। अपने प्रियजन का इस प्रकार छोड़कर चले जाने से मन में जो कष्ट होता है, वह मैं समझ सकता हूँ।

पूज्य पिताजी अहिंसा फाउण्डेशन के संस्थापक अध्यक्ष रहे। साथ ही धार्मिक, सामाजिक सरल हृदय, मिलनसार एवं सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास करने वाले पुरूष थे, उनके अनुपस्थिति से परिवारजनों के मन में शून्यता छा जाना स्वाभाविक ही है, फिर भी विधि के विधान को स्वीकारना ही पड़ता है।

मैं, विश्व हिन्दू परिषद, दिल्ली प्रांत परिवार की ओर से परमपिता परमात्मा के श्रीचरणों में विनम्र प्रार्थना करता हूँ कि वे दिवगंत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा इस दुःखद् घड़ी में शोकाकुल परिवारजनों को यह दारूण दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

"ॐ शान्ति शान्ति शान्ति :"

भवदीय

(कपिल खन्ना)
प्रांत अध्यक्ष

गजेन्द्र सिंह शेखावत
Gajendra Singh Shekhawat

सत्यमेव जयते

जल शक्ति मंत्री
भारत सरकार
Minister for Jal Shakti
Government of India

श्रद्धांजलि पत्र

श्री अनिल जी,

आपके पिताजी **आदरणीय श्रीमान् प्रकाशलाल सा जैन** के देवलोक गमन पर मुझे गहरा दुःख हुआ है। हरी इच्छा प्रबल है।

इस असीम वेदना की घड़ी में, मैं परिवार के साथ हूँ। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे एवं चिरशांति प्रदान करावें तथा हम सभी को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

'ओम शांति'

आपही का,

(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

श्री अनिल जी पुत्र श्री प्रकाशलाल सा जैन,
44, सरदार क्लब स्कीम, पोलो ग्राउण्ड,
रातानाड़ा, जोधपुर
9810046108, 9910046108

जल शक्ति अभियान

Office : 210, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110 001
Tel: No. (011) 23711780, 23714663, 23714200, Fax : (011) 23710804
E-mail : minister-jalshakti@gov.in

श्री महावीर जैन श्रावक समिति, एयर फोर्स एरिया (पंजिकृत)

15 ए, अरविन्द नगर, गोल्फ लिंक रोड़, जोधपुर

श्री भँवरलाल जीरावला
कार्यकारी अध्यक्ष
मो. 95882 87997

श्री दीपक मेहता
सचिव
मो. 93147 15151

श्री राजेन्द्र गाँग
कोषाध्यक्ष
मो. 94611 90608

क्रमांक : ....

दिनांक : 30/4/2023

संघ सेवी सुश्रावक श्री प्रकाशलाल सा जैन
श्री अखिल जैन एवं समस्त जैन परिवार
44, सरदार क्लब स्कीम, जोधपुर

संघ सेवी सुश्रावक श्री प्रकाशलाल सा जैन पुत्र स्व. श्री सुखलाल सा बोहरा का दिनांक 29/4/2023 को देहावसान के दुःखद समाचार श्रवण कर हमें गहरी वेदना हुई है।

सुश्रावक श्री प्रकाशलाल सा जैन समर्पित श्रद्धावान धर्मनिष्ठ सुश्रावक थे। संत सतीवृंद के प्रति उनकी अनन्य आस्था और अगाध श्रद्धा भक्ति थी। आप संघ सेवा में सदैव तत्पर रहते थे। जब कभी भी संत सतियों का आगमन हुआ या चातुर्मास हुआ तब आप तन मन धन से संघ की सेवा में हर समय समर्पित रहे।

आपका जीवन सरलता, सहजता, सादगी पूर्ण, धर्मनिष्ठ कर्तव्य परायणता विनम्रता आदि गुणों से ओतप्रोत था।

हम श्री महावीर जैन श्रावक समिति एयर फोर्स की ओर से दिवंगत आत्मा की चिर शांती की कामना करते हैं तथा आपके समस्त पारिवारिक परिजनों को असीम दुःख की घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करें।

(सदस्य)

सरदार क्लब स्कीम विकास समिति

प्रेषक : सरदार क्लब स्कीम विकास समिति, दिनांक 30 अप्रैल

श्री पी. एल.. जैन साहब के निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ । श्री जैन साहब बहुत ही मृदुभाषी ,मिलनसार ,सेवा भावी वाले व्यक्तित्व के धनी थे । परोपकार व समाज सेवा के सभी कार्यों में तन ,मन ,धन से सहयोग करते थे । आपके चले जाने से सरदार क्लब स्कीम के सभी निवासियों को गहरा दुख हुआ है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को मोक्ष प्रदान करे और शोक संतप्त परिवार को यह क्षति सहन करने की शक्ति दे ।

अध्यक्ष

सरदार क्लब
स्कीम विकास समिति

पंजीयन सं. 73/जोधपुर/2013-14

Ph. 0291-2430268

श्री ओसवाल समाज यू. आई. टी. क्षेत्र संस्था, जोधपुर

प्रधान कार्यालय :
'पुष्प भवन'
रेल्वे अस्पताल के पास, जोधपुर-342001
मो. : 93147-18628

प्रशासनिक कार्यालय :
'कल्पतरू' किशोर पथ
2 D&E पोकरण हाउस, जोधपुर-342001
मो. : 94142-47785

क्रमांक ________

दिनांक 30 अप्रैल 2023

सम्माननीय श्रीमान जयन्तिलाल सा. डॉ. नरेन्द्र सा, राजेन्द्र सा अनिल सा जैन बोहरा परिवार, जोधपुर।

सादर जय जिनेन्द्र

आदरणीय श्रीमान प्रकाशलाल सा जैन सुपुत्र श्री सुखलाल सा बोहरा के स्वर्गवास पर श्री ओसवाल समाज यू आई टी क्षेत्र संस्था जोधपुर गहरा दुःख प्रकट करते हुए शोक संवेदना प्रकट करता है।

कुदरत, जीव का पैदा होना तथा आयु पूरी होने पर संसार से विदा हो जाना, किसी के वश की बात नहीं है। जन्म एवं मृत्यु सृष्टि का शाश्वत नियम है। आप सभी परिवारजन इस समय मनोबल मजबूत रखकर उनके सद्गुणों का आत्मसात करे तथा धर्म की शरण ग्रहण करे।

श्रीमान प्रकाशलाल सा. जैन हमारे समाज से लम्बे समय से जुड़े थे, तथा सामाजिक गतिविधियों में भाग भी लेते थे।

शासनदेव से हमारी प्रार्थना है कि स्वर्गवासी आत्मा को अखण्ड शान्ति प्रदान करे तथा उनके वियोग में स्तब्ध परिजनों को असीम धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करे।

श्री ओसवाल समाज यू आई टी क्षेत्र संस्था की ओर से स्वर्गवासी आत्मा के प्रति भावभीनी श्रद्धांजलि-पुष्पांजलि।

ॐ शान्ति। शान्ति। शान्ति।

हम है
श्री ओसवाल समाज UIT क्षेत्र के सदस्यगण

(संघवी मिट्ठूलाल डागा)
अध्यक्ष

श्री अनिल प्रकाशलाल सा. जैन
44 सरदार क्लब स्कीम पोलो ग्राउंड
रातानाडा जोधपुर 342011

Founded: 11.10.1948 Rotary Charter No. 7191 IMAGINE ROTARY Charter Date: 25.02.1949

ROTARY CLUB OF JODHPUR

ROTARY INTERNATIONAL DISTRICT 3053

K.N. Wanchoo Rotary Bhawan, Gaurav Path, Jodhpur 342003 (Raj.) India
Tel.: +91-291-2431557

PRESIDENT: 2022-23
Rtn. AJIT RAJ MEHTA
17C, New Power House Road
Section 7 Extension, Jodhpur (Raj.)
Cell: 9829830322
Email: ajoyprints@gmail.com

TREASURER: 2022-23
Rtn. JAYENDRA SINGH DEV
17 GF, Razdan Mansion
Jalori Gate, Jodhpur (Raj.)
Cell: 9414267886
Email: jayendrasingh223@gmail.com

SECRETARY: 2022-23
Rtn. Dr. PRITHVI SINGH BHATI
H.N. 259 Sector ZSB Lane No. 31
BJS Colony, Jodhpur (Raj.)
Cell: 9829303366
Email: bhati78@gmail.com

4 April, 2023

Dear Rtn. Anil Jain,

We are sorry to learn about the sad demise of your father Shri Prakash Malsa Jain, founder President of AHIMSA FOUNDATION, on 29th July 2023.

All the members of the ROTARY Club of Jodhpur extend their heartfelt condolence and resolved that –

"May the almighty grant eternal peace to the noble departed soul & bestow courage to the bereaved family to bear the irreparable loss at this hour of sorrow and grief."

Rtn. Ajit Raj Mehta
(PRESIDENT)

Rtn. Anil Jain
Jodhpur

Tributary Message Over WhatsApp

शत शत नमन, वंदन
विनम्र श्रद्धांजलि, भगवान दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे।
ओम शान्ति, ओम शान्ति
जयंतीलाल जैन, कान्ति जैन

आदरणीय गुलाबजी बाईसा एवं अनिल, बहनोई सा के देहांत का समाचार तो अत्यंत दुखदाई है, लेकिन नियति तो किसी को छोड़ती नहीं है। उससे हटकर कुछ भी नहीं होता है। जन्म के साथ ही मृत्यु निश्चित हो जाती है तो उसे एक संस्कार मानते हुए स्वीकार कर लेना चाहिए। केवल मोहवस हम अटल सत्य को दुख मानकर परेशान होते हैं कोई ऐसा घर परिवार नहीं जहां मृत्यु से साक्षात नहीं हुआ हो। परमात्मा ने उनको एक र्घायु दी और उन्होंने एक सफल समाज और परिवार का निर्माण किया, अपने उत्तरदायित्व पूरे किए और सब को खूब सहयोग किया, शुभकामनाएं, आशिर्वाद देकर, 90 वर्ष की आयु में एक आदर्श जीवन का उत्तम उदाहरण देते हुए प्रस्थान किया। मैं समझता हूं उन्होंने चारों आश्रम का पालन कर देह का त्याग किया। दिवंगत आत्मा से इससे अच्छी प्रेरणा और क्या ले सकते हैं।

आप दोनों ने उनकी बीमारी से देहांत तक जो सेवा की वह भी अत्यंत अत्यंत प्रशंसनीय है। मैं गुलाबजी बाईसा का तो विशेष उल्लेख करूंगा, की उन्होंने अपने आप को उनकी सेवा में समर्पित कर दिया, बिना किसी को बताए। कभी चेहरे पर थकान, गुस्सा अथवा उदासी का आभास नहीं होने दिया। बहुत ही कठिन परीक्षा दी और उत्तीर्ण भी हुए और एक प्रेरणा लायक आदर्श सबके लिए स्थापित किया। अनिल, आपने भी एक आज्ञाकारी पुत्र की भांति अपना कर्तव्य निभाया और मां के साथ सेवा में किसी तरह की कमी नहीं आने दी ।आपके द्वारा घर में डॉक्टरी सुख सुविधाएं उपलब्ध कर देने से उनकी बीमारी का समय शांति से व्यतीत हो गया। आजकल घरवाले सेवा की बजाय अस्पताल का सहारा लेते हैं जो बीमार को बिल्कुल नहीं भाता है। वर्तमान समय में पुत्र सेवा के ऐसे उदाहरण कम देखने को मिलते हैं, आप भी साधुवाद एवं प्रशंसा के पात्र हैं।

अंत में दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। परमात्मा उनको अपने चरणों में स्थान दे। आप लोग धैर्य और शांति धारण करे और इस व्यथा को आत्मसात करने का प्रयास करें।

ओम शांति ओम शांति ओम शांति,
दिनेश गांधी नूतन गांधी

आदरणीय भुआसा भाई साहब एवं भाभीजी

सादर वंदन

पुज्य फुफासा अपने जीवन काल में उच्च शिक्षा प्राप्त कर विभिन्न सस्थानो में उच्च पदो पर कार्यरत रहते हुए भी बड़ी सादगी एवं सहजता से अपना जीवनयापन किया जो हम सभी के लिए प्रेरणा दायक है आप श्री अहिंसा फाउंडेशन के भी सस्थापक अध्यक्ष रहे जो आपकी सामाजिक एवं धार्मिक रुचि को दर्शाता है अतः आपकी जीवन यात्रा की पुर्णता के समाचार जानकर दुख हुआ जन्म के साथ मृत्यु अटल सत्य है

अर्थात ब्रह्मण्ड में हर उदय होने वाला अस्त होगा अवधी या काल आगे पिछे हो सकता है फिर भी आशक्ता या मोहवश दुख होना स्वाभाविक है

में ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि आप दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे एवं शोकाकुल परिवार को यह आघात झेलने की शक्ति प्रदान करे पुज्य भुआ सा के स्वास्थ्य का ख्याल रखा वे।

ओम् शांति ओम

राजेश ज्ञान चंद गांधी

मुंबई

श्रीमान अनिल जी जैन साहब

जय जिनेन्द्र

आपके पिताजी सा श्री पी एल जैन साहब के आकस्मिक स्वर्गवास हो जाने के समाचार सुनकर हमें बहुत दुःख हुआ, श्रीं जैन साहब धर्म परायण एवं सरल स्वभाव के आदरणीय थे। ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उनकी आत्मा को चिरस्थाई शांति प्रदान करे एवं आप सभी को असहनीय दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

ओम् शांति शांति शांति ओम्

बसन्ती लाल दक एवं समस्त दक परिवार की ओर से।

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि जीतो जोधपुर सदस्य श्री अनिल सा जैन (CA) के पिता जी का आकस्मिक निधन हो गया है।
हम संवेदना व्यक्त करते हुए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को चिर शांति व सदगति तथा परिजनों को इस दुःख की घड़ी में सम्बल प्रदान करे।
ॐ शांति

नितिन जैन
चेयरमैन
जोधपुर JITO

दुःखद समाचार। बैकुंठ यात्रा पर निकली दिवंगत आत्मा को परमात्मा अपने श्री चरणों में स्थान देवें, और शोकाकुल परिवार को उनकी रिक्तता से उत्पन्न भौतिक दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।
...ॐ शान्ति...ॐ..

R. P. Chamoli

दुःखद,
भगवान दिवंगत आत्मा को शान्ति प्रदान करे और अपने श्री चरणों मे स्थान प्रदान करें। और पूरे परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।
Anuj Singhal

Chandra Hardware

सादर प्रणाम जय जिनेंद्र
आपकी पिताश्री आदरणीय प्रकाश लाल साहब के स्वर्गवास पर गहन संवेदना व्यक्त करता हूं। आदरणीय जैन साहब कई संस्थाओं एवं समाज के सेवा में अग्रणी रहे ऐसे महान समाजसेवी देव गुरु भक्त एवं सहृदय व्यक्तित्व की कमी समाज सदैव महसूस करेगा। परमात्मा दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें एवं सद्गति प्रदान करें।
ओम शांति ओम शांति
सादर

Jagdish Gandhi
Bheru Bagh

केंद्रीय सरकार पेंशनर्स एसोसिएशन, जोधपुर शाखा

प्रिय अनिल जैन साहब

हमारे एसोसिएशन के रिकॉर्ड में आपके पिताजी आदरणीय प्रकाश लाल जैन साहब (सदस्य संख्या 3235) के कार्यालय का नाम केवल मानव संसाधन दर्ज किया हुआ है जो अधूरा प्रतीत होता है आपसे अनुरोध है कि जैन साहब के कार्यालय का पूरा नाम सूचित करने का श्रम करें। एसोसिएशन की पत्रिका में शोक संदेश कॉलम में दिवंगत सदस्य के साथ उनके कार्यालय का नाम भी दिया जाता है।
मुझे आपने बताया था कि जैन साहब ने किताबें भी लिखी हैं जो कोर्स में पढ़ाई जाती हैं, इस तरह की ओर भी कोई जानकारी आप एसोसिएशन के साथ शेयर करना चाहें तो कर सकते हैं। कृपया इसे प्राथमिकता देवें।

सचिव,
सीजीपीए. जोधपुर

आदरणीय अनिल भाई व भाभी जी,
समाचार देखा कि परम श्रद्धेय पिताश्री की भव्यात्मा इस नश्वर शरीर का त्याग कर मुक्त हो गईं।
आपको सपरिवार लंबे समय तक उनका आश्रय, मार्गदर्शन व प्रेम मिला अतः हम सभी उनके बताए आदर्श पथ का अनुकरण करें यह ही उनके प्रति सच्ची विदाई होगी।
इस वियोग उपरांत अब आपको अपना तथा समस्त परिवार का विशेष ध्यान रखना होगा।
हम सभी सौम्य व आदर्श आत्मा की शांति व सदगति की प्रार्थना करते हुये इस अपूर्णीय क्षति के प्रति आत्मिक श्रृंद्धांजलि अर्पित करते हैं।
भव्यात्मा का बारम्बार स्मरण कर पुनः विनयान्जली व सादर नमन।।।
दिल्ली वापिस आने पर शीघ्र मिलेंगे।।।

ॐ परमशांति ।
सादर,
रश्मि-अनिल
शिमला
0४.०५.२३

आदरणीय श्रीमान प्रकाश लाल सा बोहरा के समाचार सुनकर अत्यन्त दुख हुआ। विधी के विधान के आगे हम सभी नतमस्तक है, परमपिता परमेश्वर दिवंगत आत्मा को चिरशांति, मोक्ष प्रदान करे एवं परिवार को यह आघात सहन करने की शक्ति प्रदान करे, भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

ओम शांति ओम शांति

Rakesh Gandhi

श्री प्रकाश लाल जी सा. जैन के स्वर्गवास का समाचार मिला।

सुनकर गहरा आघात लगा। मुझे भी वैभव के विवाह में कुछ समय भव्य आत्मा के साथ बिताने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था और मुझे बहुत प्रभावित किया था।

आज वो हमारे बीच नहीं हैं।

मेरी परमपिता से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देवे तथा आप सभी को इस अपूर्णीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

राजेश - शोनु

प्रिय अनिल भाई,

परम आदरणीय पापाजी के आकस्मिक स्वर्गवास का समाचार सुनकर मैं स्तब्ध हूँ। मैं प्रार्थना करता हूँ, कि, परमपिता परमेश्वर महावीर स्वामी महान आत्मा को अपनी शरण में लेकर स्वर्ग में उच्च स्थान प्रदान करे, और आप सभी परिवारजनों को संबल देते हुए इस वज्रपात को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। सदैव स्मरणीय पापाजी को अपनी अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गहन दुःख और असीम वेदना के इस समयकाल में सम्पूर्ण गहलोत परिवार आप के साथ है।

विनीत :- दिनेश गहलोत, जोधपुर।

आदरणीय श्रीमान प्रकाश लाल सा बोहरा के समाचार सुनकर अत्यन्त दुख हुआ। विधी के विधान के आगे हम सभी नतमस्तक है, परमपिता परमेश्वर दिवंगत आत्मा को चिरशांति, मोक्ष प्रदान करे एवं परिवार को यह आघात सहन करने की शक्ति प्रदान करे, भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, ओम शांति ओम शांति

Rakesh Gandhi

Jodhpur

प्रिय अनिल जी!

आदरणीय प्रोफेसर श्री पी एल जैन साहब के निधन का समाचार सुनकर गहरा दुख हुआ! मेरे प्रति उनका बड़े जैसा विशेष स्नेह था! उनके निधन को मै व्यक्तिगत क्षति के रूप मे देखता हूँ तथा खेद है कल से चंडीगढ़ में होने की वज़ह से दुख की घड़ी में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सका! लेकिन जिनेन्द्र प्रभु से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्मा को चिर शांति प्रदान करें तथा भाबी जी आप एवं आपके परिवार को इस अपूर्णीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करे!

आपकी उनकी लंबी बीमारी के दोरान की गयी सेवा सराहनीय एवं अनुकरणीय है!

नरेन्द्र जैन, जोधपुर।

दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पण करते है व ईश्वर से प्रार्थना करते है की परिवार को ये दुख सहने की शक्ति प्रदान करावे।

ॐ शांति शांति शांति

नितेश कोठारी

जोधपुर

अत्यंत दुःखद समाचार,

वीर प्रभु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें, आप सभी परिवारजनों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाए, प्रभु आप सभी को यह आघात सहने की शक्ति प्रदान करें।

राकेश लुणिया

जोधपुर

आदरणीय पापाजी के आकस्मिक स्वर्गवास का समाचार सुनकर मैं स्तब्ध हूँ। मैं प्रार्थना करता हूँ कि परमपिता परमेश्वर उस महान आत्मा को अपने शरण में लेकर स्वर्ग में उच्च स्थान प्रदान करे, और आप सभी परिवारजनों को संबल देते हुए इस वज्रपात को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। सदैव स्मरणीय पापाजी को अपनी अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गहन दुःख और असीम वेदना के इस समयकाल में सम्पूर्ण गहलोत परिवार आप के साथ है।

विनीत :- दिनेश गहलोत, जोधपुर।

श्री प्रकाश लाल सा के निधन के
समाचार सुना
अत्यंत दुःखदहै
मगर ईश्वर इच्छा प्रबल है

दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पण करते है व ईश्वर से प्रार्थना करते है की परिवार को ये दुखसहने की शक्ति प्रदान करावे।

ॐ शांति शांति शांति

राकेश मोहनोत

जोधपुर

Dear Anilji

I am sad and shocked to learn about the sad demise of your beloved father! Our Heartfelt condolences!

May Arihant Prabhu take the departed soul in His shelter and give you the courage to bear this irreparable loss!

Om Shanti

C. Mehta

We Salute Such Great Personality. He is role model for all of us.
Sat Sat Naman And Hardik Shradhanjali.

Basant Mehta

Sorry to hear the sad news. Our heart felt condolences. May his soul rest in peace.

Om shanty

Dinesh Jain & Nirmala jain
Ratnagiri

Namaste, This is Suresh Jain from Ratnagiri,

We are deeply saddened to hear about your loss. Wishing you peace, comfort, courage, and lots of love at this time of sorrow.

Jai jinendra

My Heart Felt Condolences on sad demise of your beloved father. i hope the almighty will give you the strength to bear this irreparable loss. may his soul rest in peace. regards,

Hasti Mal Kachhara

It is with deep sadness and heavy hearts that we inform you about the sad demise of Shri Parkash Kumar Ji Jain Sa. Father of Sh. CA Anil Kumar Ji Jain (Treasurer of R.M.P.) on Sat.day 29th April, 2023 at 8.30 p.m. at his residence.

His final procession will start tomorrow at 11.30 A M from 44, Sardar Club and the cremation will be held on tomorrow i.e. on 30/04/2023 (Sunday) at Swagashram. Siwanchi Gate Jodhpur (Rajasthan)

We wish that everyone offers a last set of prayers to the departed soul.

Ashok Kothari
Delhi

Please accept my condolences, may the departed soul merge with the ultimate.

May God strengthen all the family members to face this tough time.

Om Shanti!!

Nitin Jain

JITO CHAIRMAN

Thinking of you in your time of loss, May the lessons your father gave you last a lifetime, and may you always feel his spirit nearby.In times of sadness, let the memories of your wonderful father bring you comfort.The guiding light of a father’s wisdom is a gift that lasts forever. we’re praying for you & family during this time of grief.

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे और शोक संतृप्त परिवार को यह वियोग सहन करने की शक्ति दे।

Jayanti Sanghvi
Ratnamani Parivaar
Ahemdabad

Came to know about your father yesterday as I was travelling. Sorry to learn. May his soul rest in peace

Anurag Mehta

Jodhpur

Sad to learn heavenly abode of Jain Saheb. I had special relations with him. A great loss to all of us n society. God rest his soul in peace. My deep condolences to u all.

Adv k k shah

I am extremely sorry to learn about sad and sudden demise of your respected father Pl accept our heartfelt condolences and prey Almighty to provide Moksha to departed soul and strength to entire family members to bear this irreparable loss
Om Shanti

N M Bafna and family
and

Aadaraniya phuphasa ke dehsvsaan ka sunkar atyant dukh hua.parantu parmatma ki iccha ke aage kisi ka jor nahi chalta.param pita parmeshvar se prarthna karte hai ki divangat aatma ko chir shanti pradan kare avam sabhi parijano ko dukh sahne ki kshamta pradan kare.

Surendra Gandhi

Surat

We are so sorry to hear this sad news. Our sincerest condolences. May God give you and your family the strength in this difficult time. May his soul rest in peace !! Om Shanti

Prashant Mehta

Gurugram, Haryana

Jai jinandra uncle .so sorry to hear the sad news about dadasa. Our deepest condolences to the whole family. May God give you the strength to bear this loss. May his soul rest in peace !! Om Shanti

Anju Prashant Mehta

Gurugram, Haryana

Anil ji, I am pained to this news of sad demise of uncle. You proved to be worthy son who took best care of his father. I pray to Arihant Parmatma for moksh of his noble soul and may you all have the strength to bear this tragic loss.
Om shanti

Advocate Vipul Singhvi

Jodhpur

Please accept my heartfelt condolences on the demise of your father. May his soul rest in peace and be with God always.

CA P. K. Bhatia

Delhi

Pranam Jijaji and swati jiji

Please accept our heartfelt condolences on the sad demise of Shri PL Jain sa .May his soul rest in peace.Om Shanti

Dr. Manjushree Bhandari

Mumbai

Sorry to hear about the sad demise of your father. I pray to God to give peace to the departed soul and strength to you all to bear the great loss.

CA Mukesh Jain

New Delhi

Sorry to know of the sad demise of your dear father Prakashlal sa. May his soul rest in eternal peace and God grants you and the family the strength and fortitude to bear this irreparable loss. Om Shanti.

Rtn Vinod Anjali Bhatia

Jodhpur

Very sad to know the demise of your beloved father. May pray to god the departed soul rests in peace and give ample strength to bear this huge loss to you and entire family.

Om Shanti

B. N. Modi

Delhi

My heartfelt condolences on the death of your beloved father !

May his soul rest in peace ….

May God give strength to the family to bear this irreparable loss

R. R. Modi

Kolkata

We pay our deepest condolences on untimely sad demise of Masasa May the departed soul Rest in Peace. May God grant you the strength to endure this great pain and provide you all enough courage and strength to bear this....

Niranjan Mehta

Jaipur

Dear Anilji, dear Swati,

Very Sad to learn of the demise of shri Prakashkumarji sa, your beloved father.

Sincere condolences.

We join you in prayers.

Abhay Firodia & family.

I am sorry to hear about sad demises of jijaji may his soul rest in peace.

May God give all of you family a strength and courage.

Tej Karan Mehta

Ahemdabad

I was sorry to hear about your father's passing. Please accept my sincerest condolences.

Deepak Jain

Delhi

Good Morning sir.

I got to know that your Father passed away to heavenly Aboard Last evening.

Please accept my HeartFelt Condolence.

You have been a very caring Son and a Well wisher for all the humanity.

I'am sure your father will be proud of you when his soul will look down from Heavens.

I 'am sure you will continue his legacy, Religion and his teachings always in your life.

I pray to God for his Pious Soul to Rest in Peace.

I stand by you in the hour of grief with my prayers.

May you be Strong and look After your mother and family well.

Kind Regards

Neeraj Arora

Anil ji

It is very shocking and saddening to learn the sad demise of your dear father for whom you left no stone unturned to save his life including settling in Jodhpur so that u r at his service 24/7.

Please accept my heartfelt condolences May God give you enough strength to bear this loss .May his soul Rest In Peace .Do not hesitate If I can be of any help to you during this sad moments of life

Regards

Rajendra Singhi

New Delhi

Our heartfelt condolences on this bereavement. May God grant eternal Peace to the departed Soul and strength to the family to bear with this irreparable loss

CA Hemant Kumra

AHIMSA FOUNDATION
21, Skipper House,
9, Pusa Road, New Delhi 110005
Tel. : 91-11- 35550197
Cell : 98100-46108
Email: caindia@hotmail.com
Website: www.jainsamaj.org

<u>Thank you all in Family, Dear Friends and Loved Ones</u>

I express my deepest gratitude for your thoughtful and heartfelt condolence message following the passing of my father, Shri Prakash Lallji Jain. In his passing away, he has undeniably left an indescribable void in our lives.

During such a difficult time, receiving words of comfort and support from family, friends and loved ones like you has been a source of solace and strength for my family and me. Your kind words and expressions of sympathy meant a great deal to us, and they provided a sense of comfort during our grief.

Please know that your sympathy and support have been invaluable to us during this challenging time. Your thoughtfulness and compassion will always be remembered and cherished.

Once again, I extend my heartfelt gratitude for your concern & commiserative condolence message.

With Warm Regards

Anil Jain
May 15th 2023

Jodhpur Off : 44, Sardar Club Scheme, Jodhpur Rajasthan

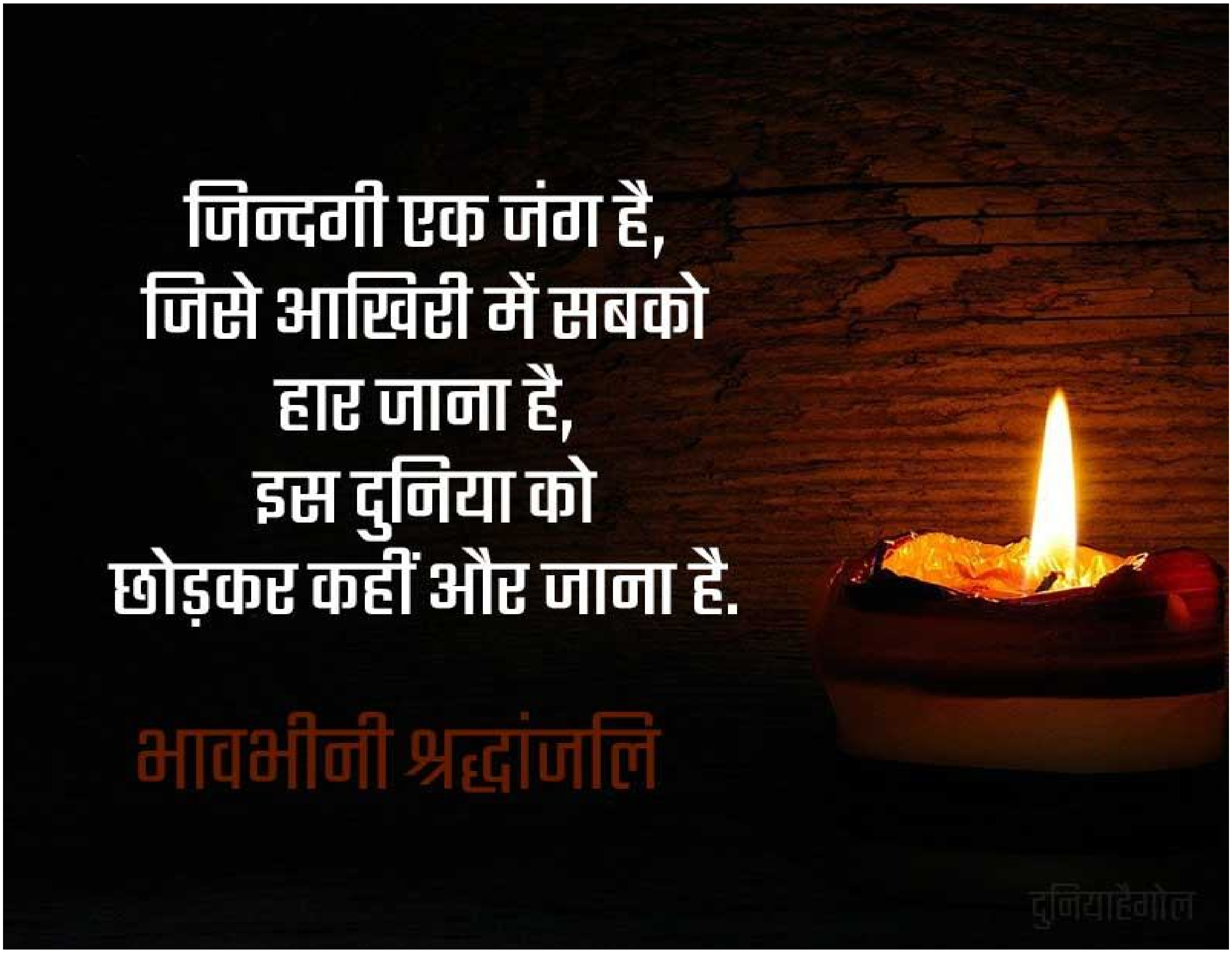

AHIMSA FOUNDATION
21, Skipper House, 9, Pusa Road, New Delhi -110005, India
Tel: +9198-100-46108, Email: caindia@hotmail.com, Web: www.jainsamaj.org